THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) to (c) The Ministry of Food Processing Industries provides financial assistance under its Developmental Plan Schemes being implemented during the 8th Plan period, to promote Food Processing Industries. Such assistance is provided to State Government Organisations / Cooperatives/Voluntary Agencies, etc. One of the schemes for fruits & vegetable processing provides higher limit of assistance for setting up/expansion of units in industrially backward areas.

During 1994-95, an amount of Rs. 3.00 lakhs has been provided for setting up of Food Processing and Training Centre in Haryana, which is in the process of being implemented.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों द्वारा हानिकारक तत्वों का उपयोग

3625. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 10 नवम्बर, 1994 के "डेली टेलीग्राफ" में "इन्वायटिंग स्लो ब्रायजलिंग एंड डैथ" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों द्वारा कई ऐसे तत्वों का उपयोग किया जा रहा है जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हैं और जिन पर अन्य विकसित देशों में प्रतिबंध लगा हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) से (ग) : सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

दुग्ध उत्पादों का निर्यात

3626. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दुग्ध उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये गत तीन वर्षों के दौरान देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को अनेक सुविधायें प्रदान की हैं;

(ख) यदि हां, तो उन सुविधाओं का ब्यौरा क्या है और सरकार ने वे सुविधायें कब प्रदान की ;

(ग) क्या यह सच है कि इन सुविधाओं के कारण देश के दुग्ध उत्पादों के निर्यात में हाल ही के वर्षों में भारी वृद्धि हुई है ;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 और 1993-94 के दौरान निर्यातित दुग्ध उत्पादों के नाम क्या-क्या हैं उनका मूल्य और मात्रा कितनी-कितनी है तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक इनके निर्यात हेतु निर्धारित लक्ष्य कितना है ;

(ङ) क्या सरकार ने दुग्ध उत्पादों के निर्यात के भावी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये देश में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य भी निर्धारित किया है; और

(च) यदि हां, तो दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य कितना है और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप देश में प्रति दुधारू पशु द्वारा दिये जाने वाले दूध की मात्रा का दैनिक औसत कितना होगा और यह औसत वर्ष 1993-94 की औसत से कितना प्रतिशत अधिक होगा?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री तरूण गोगोई) : (क) और (ख) दूध उत्पादों को लाइसेंस मुक्त कर दिया गया है। कृषि तथा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की स्थापना की गई है जो अनेक स्कीमें चला रहा है। इन स्कीमों के तहत उक्त प्राधिकरण बाजार के विस्तार, ब्रांड के प्रचार, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग विकास आदि जैसे विभिन्न विकास और संवर्धन कार्यों के लिये दूध उत्पाद समेत खाद्य उत्पाद के निर्यातकों को सहायता उपलब्ध कराता है।

(ग) और (घ) 1991–92, 92–93, और 93–94 के दौरान दूध उत्पादों (दूध पाउडर और घी समेत) का क्रमश: 2543 मी.टन, 1091 मी. टन और 1939.7 मी.टन निर्यात किया गया। 91–92, 92–93 और 93–94 के दौरान पाउडर और घी समेत निर्यात किये गये इन दूध उत्पादों का मूल्य क्रमश: 1124.4 लाख, 835.7 लाख और 1150.2 लाख रु0 था। दूध उत्पादों के निर्यात की अधिकतम संख्या निर्धारित है इसलिये 8वीं योजना के दौरान दूध उत्पादों के निर्यात के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

(ङ) और (च) जो दूध उत्पादन 1970 तक लगभग गतिहीन सा था तथा जिस की वार्षिक विकास दर मात्रा 1 प्रतिशत थी, सरकार द्वारा पशु-पालन संबंधी रणनीति सहित अन्य उपाय करने के परिणामस्वरूप सातवीं योजना के दौरान उसकी औसत विकास दर में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा उसमें आठवीं योजना के दौरान भी निरन्तर वृद्धि हो रही है। वर्ष 1994–95 के दौरान दूध का 63.5 मिलियन टन उत्पादन होने का अनुमान है।

Enquiry into assassinatoin of Shri Rajiv Gandhi

3627. SHRI K. R. MALKANI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the controversy raging over the enquiry into the assassination of Shri Rajiv Gandhi, giving rise to anxiety and suspicion;

(b) whether it is a fact that six senior officials of the Government of India are going to be proceeded against; and

(c) whether Government would consider issuing a white paper on the subject?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) and (b) It has been decided to proceed against six senior retired officials of the Government of India.

(c) No, Sir.

Surrender by militants in Tripura

3628. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether a large number of terrorists, including the Tripura NVs, had surrendered with arms to the Government of Tripura during recent months; and

(b) if so, the number of such militants of each militant group who have surrendered during the last six months, indicating the details of arms and ammunition surrendered by them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) Some tribal extremists belonging to various militants groups have surrendered with arms to the Government of Tripura during the past few months. The Tripura National Volunteers (TNV) had, however, surrendered in August, 1988.